Unit-II

III What forms of Knowledge are included in School education?

स्कूली शिक्षा में ज्ञान के कौन से रूप शामिल है?

Nature of Knowledge
ज्ञान की प्रकृति

ज्ञान को भली-भाँति समझने के लिए इसकी प्रकृति का ज्ञान होना अति आवश्यक है अतः हम यहाँ ज्ञान की प्रकृति पर प्रकाश डालेंगे। ज्ञान की प्रकृति को हम निम्नलिखित रूपों में समझ सकते है —

↑ डबल — साध्य

(1) Knowledge as an double ज्ञान एक साध्य के रूप में
(2) Knowledge as a means ज्ञान एक साधन के रूप में
(3) Knowledge as a cognitive process 'ज्ञान एक संज्ञानात्मक प्रक्रिया के रूप में

Unit-II

(III) On what basis are knowledge categories selected in school education.

स्कूल शिक्षा में किन श्रेणियों के आधार पर चयन किया जाता है।

Scanned with CamScanner

~~How selected~~

How does School Knowledge get reflected in the form of Curriculum, Syllabus and text-books?

पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या और कर-पुस्तकों के रूप में विद्यालय ज्ञान कैसे परिलक्षित होता है।

Curriculum – पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या
Syllabus – पाठ्यक्रम, सारांश, पाठ्य-विवरण।

Nature of Curriculum
पाठ्यचर्या का स्वरूप

1. प्राचीन काल में पाठ्यचर्या
   Curriculum in ancient times
2. मध्यकाल में पाठ्यचर्या
   Curriculum in the middle ages
3. ब्रिटिश काल में पाठ्यचर्या
   Curriculum in the British Period
4. वर्तमान समय में पाठ्यचर्या
   Curriculum at the present time.

शिक्षा का इतिहास हमें बताता है कि समय-2 पर पाठ्यचर्या की प्रकृति कैसी रही है? कभी पाठ्यचर्या संकीर्ण रही है तो कभी पाठ्यचर्या व्यापक रही है। इसका स्वरूप या प्रकृति सदैव परिवर्तित होती रही है। पाठ्यचर्या स्वयं में कई तत्वों को समेट लेती है। पाठ्यचर्या किसी भी देश का भविष्य हो सकती है, किसी विद्वान का विचार हो सकती है या पाठ्यचर्या आवश्यकता भी हो सकती है। पाठ्यचर्या ने समय के साथ-2 स्वयं में भी पाठ्यचर्या परिवर्तन किया है।

① Can we categorise Knowledge? On what basis
क्या हम ज्ञान को वर्गीकृत कर सकते हैं?
किस आधार पर?

Different Kinds of Knowledge and Their Validation Processes

ज्ञान के विभिन्न प्रकार एवं वैधता प्रक्रिया

विभिन्न दृष्टिकोणों तथा मतानुसार ज्ञान को निम्नलिखित रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है—

① ज्ञान प्राप्ति के साधनों के आधार पर वर्गीकरण
Classification on the Basis of Resources of Knowledge

प्लेटो ने ज्ञान प्राप्ति के 8 साधनों के आधार पर प्रमुख रूप से तीन प्रकार का ज्ञान बताया है—

① इन्द्रियजनित ज्ञान (Sensory Knowledge)
② अनुभवजन्य या सम्मतिजन्य ज्ञान
Experience based Knowledge
③ चिन्तनजन्य ज्ञान (Knowledge through proper Thinking)

Scanned with CamScanner

② शंकराचार्य के अनुसार ज्ञान का वर्गीकरण।
classification of Knowledge according to Sankaracharya
शंकराचार्य ने ज्ञान को दो भागों में बाँटा है —
① परा ज्ञान — Transitive knowledge (सकर्मक ज्ञान)
② अपरा ज्ञान — Placental Knowledge
प्लेसेन्टल

③ जैन दर्शन के अनुसार ज्ञान का वर्गीकरण
classification of Knowledge according to Jainism
जैन दर्शन के अनुसार ज्ञान को तीन प्रकार का माना गया है
① मति ज्ञान ② श्रुति ज्ञान
③ अवधि ज्ञान

④ काण्ट के अनुसार ज्ञान का वर्गीकरण
classification of Knowledge according to Kant
काण्ट ने ज्ञान के दो प्रकार बताये हैं
① प्रागनुभाविक ज्ञान / स्वाभाविक ज्ञान Instinct Knowledge (Experimental)
② आनुभाविक ज्ञान Empirical Knowledge
इम्पिरिकल

3- तथ्यों के आधार पर ज्ञान का वर्गीकरण
Classification of Knowledge on the Basis of facts.

(1) स्थानीय और सार्वभौमिक ज्ञान
Local and Universal Knowledge
(2) मूर्त एवं अमूर्त ज्ञान
Concrete and Abstract Knowledge
(3) सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक ज्ञान
Theoretical and Practical Knowledge
(4) विद्यालय एवं विद्यालय से बाहर ज्ञान प्राप्ति
School and out of School Knowledge
(5) ज्ञान एक साध्य के रूप में
Knowledge as an Double - इअवल
(6) ज्ञान एक साधन के रूप में
Knowledge as a means
(7) ज्ञान एक सूचना के रूप में
Knowledge as an Information

C-8

Characteristics of Curriculum
पाठ्यचर्या की विशेषताएँ

शिक्षा, कैसी, किस विधि से प्रदान की जाए इसमें बालक की सम्पूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके साथ ही मानव का सर्वांगीण विकास हो। इन सभी प्रश्नों का एक ही उत्तर है कि शिक्षा का पाठ्यचर्या किस प्रकार का हो। पाठ्यचर्या में निम्नलिखित विशेषताएँ होनी चाहिए।—

Scanned with CamScanner

(1) पाठ्यचर्या, सन्तुलित व्यक्तित्व मूल्यांकन में सहायक होती है।

Curriculum helps in balanced personality assessment

(2) पाठ्यचर्या गतिशील होती है।

Curriculum is dynamic

(3) पाठ्यचर्या आजीवन चलने वाली प्रक्रिया है।

Curriculum is a lifelong process.

(4) पाठ्यचर्या, लक्ष्य प्राप्ति का साधन है।

Curriculum is means of achieving goals.

(5) पाठ्यचर्या सामाजिक आवश्यकताओं की पूरक होती है।

Curriculum complements social needs

(6) पाठ्यचर्या, निर्देशन का महत्वपूर्ण अंग है।

Curriculum is an important part of instruction

(7) पाठ्यचर्या, विद्यालय का सम्पूर्ण कार्यक्रम है।

Curriculum is the complete program of the school.

पाठ्यचर्या क्षेत्रीय वातावरण, परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं के अनुसार निर्धारित किया जाता है। पाठ्यचर्या छात्रों की विविधताओं (प्रतिभाशाली, सामान्य, अक्षम आदि) को ध्यान में रखकर निर्मित किया जाना चाहिए पाठ्यचर्या को विद्यालय प्रबन्ध, शिक्षकों, पूर्व एवं